औषधीय वनोपज संग्रहण व आसवन इकाई का ग्रामीण विकास मंत्री ने किया उदघाटन, कहा

लेमन ग्रास व औषधीय पौधों की खेती से बदलेगी लोगों की जिंदगी

खूंटी के अनिगड़ा गांव में औषधीय वनोपज संग्रहण एवं आसवन इकाई ग्रामीण सेवा केंद्र का उदघाटन के बाद स्टॉल का निरीक्षण करते मंत्री व अन्य.

आजीविका डेस्क

खूंटी जिला अंतर्गत अनिगड़ा गांव में दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत औषधीय वनोपज संग्रहण एवं आसवन इकाई ग्रामीण सेवा केंद्र का उदघाटन ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने किया. इस ग्रामीण सेवा केंद्र के जरिये गांव की महिलाओं द्वारा की जा रही लेमन ग्रास एवं औषधीय पौधों की खेती से ग्रामीण जीवन को नया आयाम मिलेगा. लेमन ग्रास की खेती से जहां किसानों की आय बढ़ेगी, वहीं औषधीय पौधे से लोग कई लाभ ले सकते हैं. राज्य में औषधीय पौधों की खेती ग्रामीण विकास विभाग के तहत झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा की जा रही है. यह सेवा केंद्र अब लेमन ग्रास जैसे उत्पादों से तेल निकाल कर फिनाइल, साबुन जैसे उत्पादों के लिए उपयोग में लाया जायेगा. इस अवसर पर जेएसएलपीएस के सीइओ परितोष उपाध्याय, मनरेगा आयुक्त सिद्धार्थ त्रिपाठी, उपायुक्त सूरज कुमार, खूंटी प्रखंड की प्रमुख रूकमणी समेत काफी संख्या में सखी मंडल की दीदियां व ग्रामीण उपस्थित थे.

लेमन ग्रास की खेती से किसानों को मिलेगा लाभ : जेएसएलपीएस औषधीय व स्वास्थ्यवर्द्धक लेमन ग्रास की खेती को बढ़ावा दे रही है. एक एकड़ क्षेत्र में लेमन ग्रास की करीब 25 हजार डाली लगा सकते हैं. रोपने के बाद 90 दिनों में यह कटाई के लिए तैयार हो जाता है. दो कटिंग में करीब 10 हजार किलोग्राम लेमन ग्रास मिल सकती है. इस 10 हजार किलोग्राम लेमन ग्रास का तेल निकालने पर करीब 80 लीटर तेल मिल जाता है. इसका बाजार भाव अच्छा है. किसान भाई-बहनों को तेल की कीमत 1200 रुपये प्रति लीटर की दर से मिल सकती है.

क्या है लेमन ग्रास

यह एक औषधीय पौधा है. इसमें मौजूद नींबू की सुगंध के कारण इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है. औषधीय गुण होने के कारण इसे खाने में भी उपयोग किया जाता है.

इसके हैं कई फायदे

- कोलेस्ट्रॉल के स्तर को सामान्य रखता है
- इसमें एंटी कैंसर गुण होने के कारण त्वचा के कैंसर की रोकथाम में उपयोगी
- पाचन में सुधार के साथ-साथ कब्ज, दस्त, मतली व पेट में दर्द के उपचार के लिए लाभदायक
- खांसी, सर्दी के अलावा बंद नाक, फ्लू व अस्थमा में राहत मिलती है
- बुखार कम करने में मददगार
- दाद, खुजली, फफोले व मूत्र द्वार में संक्रमण के उपचार में प्रभावी
- सुगंधित स्वाद के लिए नियमित चाय में भी उपयोगी
- इसके पत्तों व फूलों से तेल बनाया जा सकता है

लेमन ग्रास से किसानों की आय बढ़ेगी : नीलकंठ मुंडा

ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि खूंटी जिले के अधिकतर लोग कृषि पर आश्रित हैं. यहां के लोग काफी मेहनती हैं. लेमन ग्रास के सहारे किसानों की आय में वृद्धि होगी. औषधीय पौधों के लिए पांच जिले हजारीबाग, गुमला, सिमडेगा, लातेहार और खूंटी में प्रदर्शित किया गया. इसमें नींबू घास, पामारोजा, तुलसी और खस को लिया गया है. वर्तमान में खूंटी में 50 एकड़ क्षेत्र में तुलसी के पौधे की खेती की जा रही है. इन कामों में 600 किसान जुड़े हैं, जिन्हें आजीविका का एक नया साधन मिला है. इस क्षेत्र में दीदियों ने इमली प्रसंस्करण में भी बहुत अच्छा काम किया और इस सीजन में 80 टन इमली की खरीद की, जिसे ऑफ सीजन में बेच कर अच्छा मुनाफा कमाने की उम्मीद है.

गुणवत्ता का ख्याल रखें महिलाएं : अविनाश कुमार

ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव अविनाश कुमार ने कहा कि अभी खूंटी जिले के सभी छह प्रखंडों के 697 गांव में 5719 सखी मंडल बन चुके हैं और इससे 74,801 परिवार जुड़े हैं. उन्होंने औषधीय पौधे की गुणवत्ता का ध्यान रखकर उत्पादन करने की अपील की है. उन्होंने सखी मंडल के जरिए ग्रामीण महिलाओं को उद्यम से जोड़ने की पहल की सराहना की व आगे बढ़ कर उद्यमी बनने की बात कही.

औषधीय पौधों के प्रति बढ़ी है जागरूकता : संजय कुमार

सीमैप के सीनियर साइंटिस्ट संजय कुमार ने कहा कि इन सभी औषधीय पौधों और उनके उत्पाद की विदेशों में बहुत मांग है. निर्यातकों को जेएसएलपीएस और किसानों से सीधे जोड़ा जाएगा, जिससे इसका फायदा किसानों को ही मिलेगा. इस प्रकार की खेती करने के लिए किसानों को जागरूक किया जा रहा है. झारखंड इसके लिए बहुत उपयुक्त जगह है और इसमें खेती कर कई लोग आजीविका से जुड़ सकते हैं.

प्रमाण पत्र के साथ कम्युनिटी जर्नलिस्ट .

रिफ्रेशर प्रशिक्षण में जेएसएलपीएस के सीइओ परितोष उपाध्याय ने कहा

खबरों से अपनी पहचान बनाएं कम्युनिटी जर्नलिस्ट

पंचायतनामा डेस्क

जेएसएलपीएस की ओर से रांची में कम्युनिटी जर्नलिस्ट का दो दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें कम्युनिटी जर्नलिस्ट को स्क्रिप्ट राइटिंग और फोटोग्राफी की जानकारी दी गयी. इस क्रम में उन्हें प्रभावी संचार के गुर से भी अवगत कराया गया. समापन अवसर पर जेएसएलपीएस के सीइओ परितोष उपाध्याय ने कहा कि कम्युनिटी जर्नलिस्ट खबरें लिखने तक ही खुद को सीमित न रखें, बल्कि इसके जरिए अपनी पहचान भी बनाएं. आपकी खबरों से कई महिलाएं प्रेरित होती हैं. अपनी क्षमता का बेहतर उपयोग करें. आप सभी को बेहतर मंच देने की कोशिश की जा रही है. मौके पर उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली पांच कम्युनिटी जर्नलिस्टस को ट्रॉफी व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया.

इन्हें किया गया पुरस्कृत

मुनिया देवी, आशा तिग्गा, ममता देवी, रुबी खातून एवं नयनतारा को पुरस्कृत किया गया.

10 जिलों में 30 दीदियां हैं कम्युनिटी जर्नलिस्ट : झारखंड के 10 जिलों में 30 कम्युनिटी जर्नलिस्ट हैं. ये दीदियां पंचायतनामा के लिए खबरें लिखती हैं. पिछले एक साल से अधिक वक्त से ये अपने गांव की आजीविका से जुड़ी सकारात्मक खबरों को लिख रही हैं.

बेहतर संवाद के लिए मिला मोबाइल : राज्य के सुदूरवर्ती इलाके में रहने वाली दीदियां भी कम्युनिटी जर्नलिस्ट के रूप में बेहतर व त्वरित संवाद कर सकें, इसके लिए सभी को मोबाइल दिया गया. रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल राज्य की सभी कम्युनिटी जर्नलिस्ट को प्रमाणपत्र दिया गया.

मुनिया देवी को पुरस्कृत करते जेएसएलपीएस के सीइओ परितोष उपाध्याय व कुमार विकास.

कलम की ताकत पर है भरोसा : मुनिया देवी

कम्युनिटी जर्नलिस्ट मुनिया देवी कहती हैं कि कलम की ताकत पर उन्हें भरोसा है. इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है. परिवार के सहयोग से वह काम कर पा रही हैं.

खुशी है कि लोग उनकी खबर पढ़ते हैं : आशा तिग्गा

कम्युनिटी जर्नलिस्ट आशा तिग्गा कहती हैं कि पंचायतनामा में पहली बार जब तस्वीर के साथ खबर छपी, तो बेहद खुशी हुई कि उनकी खबर राज्यभर के लोग पढ़ते हैं.